

27.9.23

पत्रावली पेश हुई। भपीलान्त स्वयं तब वहील
भपीलान्त को बार-बार भावलिं लिखायी गई
किन्तु कोई उपाधि नहीं आया। बावजूद सूचना
भपीलान्त का उपाधि नहीं होना, उनकी नाम
मंशानही दर्शाता है। भपीलान्त के निधन
दिनांक को उपाधि नहीं होने के कारण यह
पत्रावली अल्प हजरी अल्प पेंची में खासि
की जाती है। पत्रावली फेसल शुमाट होर बाद
पूर्ण दारिकल दफ्तरी जावे।

अति. संभागीय अधिकारी
भरतपुर